<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

<u>नई दिल्ली, 15 मई, 2020</u>

भारत सरकार

Government of India

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एम. ओ. ई. एस.)

Ministry of Earth Sciences (MoES)

भारत मौसम विज्ञान विभाग

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

केरल में दक्षिण पश्चिम मॉनसून 2020 के आरंभ की तिथि का पूर्वानुमान

Forecast of the Onset Date of Southwest Monsoon - 2020 over Kerala

1. **पृष्ठभूमि**

भारतीय मुख्य भूमि पर दक्षिण-पश्चिम मॉनसून की प्रगति केरल में मानसून के आरंभ से चिह्नित है और यह गर्म और शुष्क मौसम से वर्षा ऋतु में संक्रमण के लक्षण का महत्वूपर्ण संकेतक है । जैसे-जैसे मॉनसून उत्तर की ओर बढ़ता है , क्षेत्रों में चिलचिलाती गर्मी के तापमान से राहत का अनुभव मिलता है । दक्षिण पश्चिम मॉनसून 1 जून को लगभग 7 दिनों के मानक विचलन के साथ केरल में आ जाता है । भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) 2005 से केरल में मॉनसून के आरंभ की तारीख के लिए संक्रियात्मक पूर्वानुमान जारी कर रहा है । इस उद्देश्य के लिए ±4 दिनों की मॉडल त्रुटि के साथ स्वदेशी विकसित अत्याधुनिक सांख्यिकीय मॉडल का उपयोग किया जाता है । मॉडल में उपयोग किए जाने वाले 6 पूर्व सूचक हैं ; i) उत्तर-पश्चिम भारत में न्यूनतम तापमान, ii) दक्षिण प्रायद्वीप में मॉनसून पूर्व (प्री-मॉनसून) वर्षा का चरम, iii) दक्षिण चीन सागर के ऊपर बहिर्गामी दीर्घतरंग विकिरण (OLR), (iv) दक्षिण-पूर्व हिंद महासागर के ऊपर निचली क्षोभमंडलीय क्षेत्रीय पवन, (v) पूर्व भूमध्यरेखीय हिंद महासागर के ऊपर ऊपरी क्षोभमंडलीय क्षेत्रीय पवन , और (vi) दक्षिण-पश्चिम प्रशांत क्षेत्र के ऊपर बहिर्गामी दीर्घतरंग विकिरण (OLR)।

पिछले 15 वर्षों (2005-2019) के दौरान केरल में मॉनसून के आरंभ की तारीख का आईएमडी के संक्रियात्मक पूर्वानुमान वर्ष 2015 को छोडकर सही साबित हुए थे । हाल ही के 5 वर्षों (2015-2019) के लिए पूर्वानुमान सत्यापन नीचे दी गई तालिका में दिया गया है ।

वर्ष	**वास्तविक आरंभ की तिथि**	**पूर्वानुमान की गई आरंभ की तिथि**
2015	5 जून	30 मई
2016	8 जून	7 जून
2017	30 मई	30 मई
2018	29 मई	29 मई
2019	8 जून	6 जून

2. **केरल के ऊपर 2020 के दक्षिण पश्चिम मानसून आरंभ के लिए पूर्वानुमान**

इस वर्ष, केरल के ऊपर दक्षिण-पश्चिम मानसून का आरंभ उसकी सामान्य आरंभ तिथि की तुलना में थोड़ी देरी की संभावना है । केरल में मॉनसून के आरंभ की तारीख ±4 दिनों की मॉडल त्रुटि के साथ 05 जून होने की संभावना है ।

3. **2020 के दक्षिण पश्चिम मानसून की स्थिति और अंडमान सागर के ऊपर प्रगति**

भारतीय मानसून क्षेत्र में, दक्षिण अंडमान सागर के ऊपर प्रारंभिक मॉनसून वर्षा का अनुभव होता है और मॉनसूनी हवाएँ उसके बाद बंगाल की खाड़ी के पार उत्तर-पश्चिम में आगे बढ़ती हैं । मॉनसून के आरंभ / प्रगति की नई सामान्य तिथियों के अनुसार, दक्षिण पश्चिम मॉनसून 22 मई को अंडमान सागर के ऊपर आगे बढ़ता है । वर्तमान में, एक अच्छी तरह से चिह्नित कम दबाव क्षेत्र दक्षिण पूर्व बंगाल की खाड़ी और पड़ोस में स्थित है । यह अगले 12 घंटे के दौरान इसी क्षेत्र में अवदाब में संकेंद्रीत होने की संभावना है और 16 मई की शाम तक दक्षिण बंगाल की खाड़ी के मध्य भागों के ऊपर एक चक्रवातीय तूफान में और अधिक तीव्र हो सकता है । इस

घटना से जुड़े होने के कारण, दक्षिण पश्चिम मानसून के अंडमान सागर, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह तथा दक्षिण पूर्व बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए स्थिति अगले 48 घंटों के दौरान अनुकूल होने की संभावना है । अतीत के आंकड़ों से पता चलता है कि अंडमान सागर के ऊपर मॉनसून की तारीख की प्रगति का संबंध केरल के ऊपर मॉनसून आरंभ की तारीख या देश में मॉनसून की मौसमी वर्षा के साथ नहीं है ।

4. भारत पर दक्षिण पश्चिम मॉनसून के आरंभ / प्रगति और वापसी की नई सामान्य तिथियां

भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने 15 अप्रैल, 2020 को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में हाल ही के आंकड़ों के आधार पर दक्षिण पश्चिम मानसून के आरंभ और वापसी की नई सामान्य तारीखें जारी की थी । आरंभ की सामान्य तिथियों को 1961-2019 के दौरान के आंकड़ों के आधार पर संशोधित किया गया है और वापसी की सामान्य तारीखों को 1971-2019 के दौरान के आंकड़ों के आधार पर संशोधित किया गया है । अब मॉनसून के आरंभ और वापसी की नई सामान्य तारीखों पर विस्तृत रिपोर्ट (जलवायु अनुसंधान सेवाएं (CSR) अनुसंधान रिपोर्ट सं. 3/2020) तैयार है और नीचे दिए गए लिंक में दी गई है ।

http://www.imdpune.gov.in/Clim_Pred_LRF_New/Reports.html